वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्): (क) और (ख) वर्ष 1993-94 (अप्रैल-मार्च) की तुलना में वर्ष 1994-95 (अप्रैल-मार्च) के दौरान जिन देशों को भारत से किए गए निर्यात में वृद्धि हुई उनके नाम और डालर मूल्य में उनकी प्रतिशत वृद्धि आंकड़े नीचे दिए गए हैं:

देश	प्रतिशत वृद्धि
1. आस्ट्रेलिया	41.2
2. बंगलादेश	48.2
3. बेल्जियम	17.1
4. फ्रांस	15.4
5. जर्मनी	12.8
6. हांगकांग	21.3
7. इटली	41.9
8. जापान	16.6
9. कोरिया गणराज्य	16.6
10. नीदरलैण्ड	14.0
11. रूस	29.7
12. स्पेन	38.3
13. श्रीलंका	27.4
14. ब्रिटेन	22.4
15. संयुक्त राज्य अमरीका	25.4

(ग) निर्यात संवर्धन करते रहना एक सतत प्रयास है। देशवार निर्यात रुख और मदों की बारीकी से मानीटरिंग की जाती है। निर्यात संवर्धन के लिए देश-विशेष तथा वस्तु-विशेष संबंधी उपाए किए जाते हैं और अड़चनें/बाधाएं, यदि कोई हों, दूर की जाती हैं। देश विशेष संबंधी उपायों में अन्य बातों के साथ-साथ ये शामिल हैं:—लक्ष्यित देशों को व्यापार प्रतिनिधिमण्डल भेजना, विदेशों में नए बाजारों का बाजार अनुसंधान तथा विकास, व्यापार मेलों का आयोजन, क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित करना, संयुक्त आयोग और बदलते हुए परिदृश्य का सामना करने के लिए विदेशों में वाणिज्यिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करना तथा उनकी पुनःसंरचना करना।

(घ) सतत प्रयासों के फलस्वरूप चालू वर्ष में निर्यात वृद्धि की गति बनाए रखी गई है। अप्रैल-मई, 1995 की अवधि, वह अद्यतन अवधि जिसके लिए विदेश व्यापार के आंकड़े उपलब्ध हैं के दौरान निर्यात में डालर के रूप में लगभग 27% की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वर्ष 1994-95 में यह वृद्धि लगभग 18% रही थी।

Modern technologies in coal sector

99. SHRI PRAMOD MAHAJAN:
SHRI VIREN J. SHAH:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration for the introduction of modern technologies in some of its mines in South-Eastern Coalfields Ltd. (SECL);

(b) if so, what are the details in this regard;

(c) to what extent the introduction of modern technologies are likely to boost the underground production and productivity; and

(d) what are the details of mines of SECL identified by Coal India Limited (CIL) and also the details of bids received/evaluated so far?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) to (d) Yes, Sir. Coal India Limited has invited global bids on gain/risk sharing basis for introduction of modern technologies in seven underground mines of SECL, namely Kapildhara, Somna, Churcha Expansion, Chirimiri (Zero Seam), Pinoura, Vindhya and Kalyani.

In this connection, 26 companies have purchased tender documents. The quantum of production increase and other related details would become known when the bids are received and finally evaluated.

उत्तम गुणवत्ता के कोयले का अभाव

100. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में कम राख युक्त

उत्तम गुणवत्ता को कोयले का अभाव है और उसका आयात किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो उपरोक्त किस्म के कोयले की आवश्यकता को देखते हुए उसका कितनी मात्रा में आयात किया जाता है;

(ग) क्या यह सच है कि उक्त कोयले के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने तथा उसका आयात बन्द करने हेतु कोयला-धोवलशालायें स्थापित करने के लिये सरकार द्वारा प्रोत्साहन दिये जाते है; और

(घ) यदि हां, तो देश में अप्रैल, 1993 तक कोयला-धोवलशालाओं की उत्पादन क्षमता कितनी थी और इसमें से निजी क्षेत्र तथा सरकारी क्षेत्र की अलग-अलग क्षमता कितनी थी?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) और (ख) इस्पात संयंत्रों में प्रयोग किए जाने के लिये निम्न राखीय तत्व वाले, अच्छी गुणवत्ता वाले धातु कर्मीय किस्म के कोकिंग कोयले की कमी है। वर्ष 1994-95 के दौरान इस्पात कंपियों द्वारा लगभग 8.47 मिलियन टन कोकिंग कोयले का आयात किया गया है, अर्थात भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल), राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर०आई०एन०एल०) और टाटा आयरण एंड स्टील कम्पनी (टिस्को)।

(ग) और (घ) कोल इंडिया लिमिटेड स्व-निर्मित, स्व-चालित आधार पर कोयला वाशरियों की स्थापना किये जाने के लिये विश्वव्यापी स्तर पर विदेशी तथा भारतीय पार्टियों से निविदाएं आमंत्रित की है। इस योजना के तहत पार्टियों को स्वयं निवेश, डिजाइन, स्थापना, कार्यचालन, अनुरक्षण और संयंत्र का स्वामित्व रखना होगा। कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा संयत्र के लिये पट्टे पर भूमि मुहैया किया जाना, विद्युत का निर्माण तथा भारित आधार पर निर्माण किया जाना अपेक्षित है। सामान्य शर्तें निम्न रूप में है:—

(i) निवेशकर्ता को स्वयं वित्त, निर्माण करने, कार्यचालन की, अनुरक्षण की तथा संयंत्र को अपने स्वामित्व में रखना होगा।

(ii) कच्चा कोयला एवं धुले हुये उत्पाद को०इं०लि० की संपत्ति होगी और धुले हुये उत्पादनों का विपणन को०इं०लि० द्वारा किया जायेगा।

(iii) कच्चे कोयले एवं धुले हुये उत्पादनों के मानदण्ड जिसमें प्रतिशत अधिप्राप्ति शामिल है, निर्धारित किये जायेंगे।

(iv) उचित परिवर्तित लागत, जिसमें धुले कोयले के प्रति टन उचित कर की अधिप्राप्ति शामिल है, का सफल निवेशकर्ता को भुगतान किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, प्रेषण से पहले कोयले की धुलाई के लिये उपभोक्ता कोयले का उत्पादन किए जाने वाले के नजदीक वाशरियों की स्थापना कर सकते हैं।

अप्रैल, 1995 के अन्त में नीचे दिये गये विस्तृत विवरण के अनुसार 19 कोकिंग कोयला वाशरियां कार्य कर रही थीं

कंपनी	वाशरियों की संख्या	संचलन-योग्य क्षमता (मि०ट०प्र०व०)
कोल इंडिया लिमिटेड	15	25.22
भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड	2	3.00
टाटा आयरन एण्ड स्टील कंपनी	2	3.94
कुल जोड़:	19	32.16

आठवीं पंचवर्षीय योजना की उपलब्धियों की समीक्षा

101. **श्री इकबाल सिंह**: क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या योजना आयोग ने आठवीं पंचवर्षीय योजना की उपलब्धियों की समीक्षा करने हेतु कोई बैठक की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसमें किन-किन मुद्दों की समीक्षा की गई तथा क्या निर्णय लिया गया; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गमांग): (क) से (ग) आठवीं योजना के मध्यावधि मूल्यांकन के लिए आवश्यक प्रक्रिया भारत सरकार के सम्बन्धित मंत्रालयों/विभागों के परामर्श से योजना आयोग में चल